राष्ट्रीय चेतना परिवार, बेंगलुरू

अभिव्यक्ति काव्य मंच

चौवालीसवीं काव्य संध्या - औपचारिक रिपोर्ट

आयोजन तिथि	आयोजन माध्यम	अध्यक्षता	कार्यक्रम संचालन
7 दिसंबर 2025	आभासी पटल (Virtual)	डॉ. मंजु लता जी	श्रीमती मीना गुप्ता जी

संस्थापक : डॉ. अरविन्द गुप्ता जी
निवेदक एवं संरक्षक : डॉ. मैथिली पी. राव जी
कार्यकारी अध्यक्षा : श्रीमती अनीता तोमर जी
मुख्य अतिथि एवं समीक्षक : पंडित मनमोहन मधुकर जी (उदयपुर)
विशिष्ट अतिथि : श्री अमित भारतीय जी
सरस्वती वंदना : श्रीमती उषा उमेश गुप्ता जी

कार्यक्रम विवरण एवं मुख्य बिंदु

आज 7 दिसंबर 2025 को राष्ट्रीय चेतना परिवार, बेंगलुरू के अभिव्यक्ति काव्य मंच ने अध्यक्षा डॉ. मंजु लता जी की अध्यक्षता में आभासी पटल के माध्यम से अपनी चौवालीसवीं काव्य संध्या का सफल आयोजन किया। इस अवसर पर संस्था के संस्थापक डॉ. अरविन्द गुप्ता जी, निवेदक एवं संरक्षक डॉ. मैथिली पी. राव जी तथा कार्यकारी अध्यक्षा श्रीमती अनीता तोमर जी ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से सभी सहभागियों को प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं समीक्षक के रूप में पंडित मनमोहन मधुकर जी (उदयपुर) तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री अमित भारतीय जी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का कुशल संचालन मंच की सचिव श्रीमती मीना गुप्ता जी द्वारा किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य साहित्य प्रेमियों में रचनात्मक अभिव्यक्ति को बढ़ावा देना तथा नव रचनाकारों को साहित्यिक संस्कृति से जोड़ना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ आभासी मंच पर माँ सरस्वती की सुमधुर वंदना से हुआ, जिसकी प्रस्तुति मंच की सम्मानित सदस्या श्रीमती उषा उमेश गुप्ता जी ने की। तत्पश्चात अतिथियों का औपचारिक परिचय प्रस्तुत किया गया—श्रीमती ऋचा पाठक जी द्वारा मुख्य अतिथि एवं समीक्षक पंडित मनमोहन मधुकर जी का परिचय दिया गया तथा श्रीमती उषा गुप्ता जी द्वारा विशिष्ट अतिथि श्री अमित भारतीय जी का परिचय दिया गया।

काव्य पाठ एवं प्रस्तुतियाँ

इस काव्य-सम्मेलन में कुल 18 कवि एवं कवयित्रियों ने आभासी पटल पर अपनी उत्कृष्ट कविताएँ प्रस्तुत कीं। रचनाकारों ने विभिन्न विषयों पर अपनी प्रभावशाली रचनाएँ सुनाकर श्रोताओं को भावविभोर कर दिया।

सहभागी कवि एवं कवयित्री (18 सहभागी) :

अध्यक्षा डॉ. मंजु लता जी, उषा उमेश गुप्ता जी, ऋचा पाठक जी, गीता चौबे 'गूंज', उषा कंसल जी, नमिता सिन्हा, डॉ. सौम्या, डॉ. राजेश कुमार श्रीवास्तव, कावुरी नागलक्ष्मी 'गगन', सुमेधा पाठक, कनु सिंह, उर्मिला श्रीवास्तव जी, डॉ. कनक लता तिवारी जी, डॉ. अनीता पंडा 'अन्वी', दीपक कुमार ओझा जी, रेखा गुप्ता जी, मीना गुप्ता जी एवं अन्य।

प्रस्तुत कविताओं के मुख्य विषय :

प्रकृति एवं पर्यावरण · सामाजिक जागरूकता · हिंदी की दुल्हन · दिसंबर की सर्दी · भावात्मक चिंतन

मुख्य अतिथि पंडित मनमोहन मधुकर जी ने अपने संदेश में संस्था के साहित्यिक व सामाजिक कार्यों की सराहना की। विशिष्ट अतिथि श्री अमित भारतीय जी ने सभी प्रस्तुतियों की विश्लेषणात्मक समीक्षा की तथा अपनी समसामयिक गज़ल से संपूर्ण वातावरण को मंत्रमुग्ध कर दिया। आभासी पटल पर उपस्थित श्रोताओं ने ताली के इमोजी, चैट संदेशों और त्वरित प्रतिक्रियाओं द्वारा कवियों का उत्साहवर्धन किया। कविताओं के विविध रसों ने श्रोताओं को कभी हँसी से गुदगुदाया, तो कभी भावात्मक प्रस्तुतियों से आँखें नम कर दीं।

कार्यक्रम के अंत में अध्यक्षा महोदया डॉ. मंजु लता जी ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि इस प्रकार के ऑनलाइन आयोजनों से न केवल साहित्यिक प्रतिभा निखरती है, बल्कि समाज को अपने सांस्कृतिक मूल्यों पर विचार करने का उत्तम अवसर भी प्राप्त होता है।

कार्यक्रम का गरिमामय समापन औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन एवं राष्ट्रगान के साथ हुआ।